

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

**राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती प्रतियोगी परीक्षा का विस्तृत पाठ्यक्रम
परीक्षा की समयावधि एवं अंक-भार**

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण
1.	परीक्षा 300 अंकों की होगी।
2.	परीक्षा के लिए एक प्रश्न-पत्र होगा।
3.	प्रश्न-पत्र की समयावधि 02 घण्टे 30 मिनट होगी।
4.	प्रश्न-पत्र में कुल 150 प्रश्न होंगे। समस्त प्रश्न बहुविकल्पी होंगे।
5.	उत्तरों के मूल्यांकन में नकारात्मक अंकन होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए उस विशिष्ट प्रश्न के लिए विहित अंकों का एक तिहाई भाग काटा जाएगा। यहाँ गलत उत्तर से अभिप्राय अशुद्ध उत्तर अथवा एक से अधिक उत्तर होना है।

पाठ्यक्रम विवरण और विस्तार

परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र का पाठ्यक्रम विवरण और विस्तार ऐसा होगा जो प्राधिकृत अभिकरण द्वारा समय-समय पर विहित किया जाएगा और अभ्यर्थियों को समय के भीतर ऐसी रीति से, जो प्राधिकृत अभिकरण उचित समझे, सूचित किया जाएगा।

परीक्षा के लिए विषय एवं अंक-भार

अध्यापक, लेवल – द्वितीय (कक्षा 6 से 8 तक के लिए)

क्र.सं.	विवरण	अंक-भार
1.	राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान, राजस्थानी भाषा <u>भूगोल</u> ● राजस्थान का भौगोलिक स्वरूप ● मानसून तंत्र एवं जलवायु ● अपवाह तंत्र- झीलें, नदियाँ, बांध, एनीकट, जल संरक्षण विधियाँ एवं तकनीकियाँ ● राजस्थान की वन-संपदा ● वन्य जीव-जन्तु, वन्य जीव संरक्षण एवं अभयारण्य ● मृदाएँ एवं मृदा संरक्षण ● राजस्थान की प्रमुख फसलें ● जनसंख्या, जनसंख्या-घनत्व, साक्षरता और लिंगानुपात ● राजस्थान की जनजातियाँ एवं जनजातीय क्षेत्र ● धात्विक एवं अधात्विक खनिज ● राजस्थान के ऊर्जा संसाधन: परम्परागत एवं गैर-परम्परागत ● राजस्थान के पर्यटन स्थल ● राजस्थान में यातायात के साधन	80 अंक

	<u>इतिहास एवं संस्कृति</u> ● राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ: कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल और बैराठ इत्यादि। ● राजस्थान की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ, प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था इत्यादि। ● राजस्थान की स्थापत्य कला: किले, स्मारक, बावड़ी एवं हवेलियाँ इत्यादि। ● राजस्थान के मेले, त्योहार, लोक कला, लोक संगीत, लोक नाट्य एवं लोक नृत्य ● राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा एवं विरासत ● राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, प्रमुख संत एवं लोक देवता ● राजस्थान के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल ● राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व ● राजस्थान के वस्त्र एवं आभूषण ● राजस्थान की चित्रकलाएँ एवं हस्तशिल्प ● 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में जनजाति एवं किसान आंदोलन ● प्रजामण्डल एवं राजस्थान का एकीकरण <u>राजस्थानी भाषा</u> ● राजस्थान की क्षेत्रीय बोलियाँ ● प्रमुख राजस्थानी कृतियाँ ● प्रमुख राजस्थानी साहित्यकार ● राजस्थानी संत साहित्य एवं लोक साहित्य	
2.	राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय <u>राजस्थान का सामान्य ज्ञान</u> ● राजस्थान के प्रतीक चिह्न ● राजस्थान में राज्य सरकार की पलैगशिप योजनाएँ ● राजस्थान के प्रमुख अनुसंधान केन्द्र ● राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थल ● राजस्थान के प्रमुख खिलाड़ी ● राजस्थान के प्रसिद्ध नगर एवं स्थल इत्यादि। ● राजस्थान के प्रमुख उद्योग। ● राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था ● राजस्थान में जन कल्याणकारी योजनाएँ।	50 अंक

	<u>शैक्षिक परिदृश्य</u> ● शिक्षण अधिगम के नवाचार। ● राज्य में केन्द्र एवं राजस्थान सरकार की विद्यार्थी कल्याणकारी योजनाएँ एवं पुरस्कार। ● विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित समितियाँ। ● राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में। <u>निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम</u> ● निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 : प्रावधान एवं क्रियान्विति ● राजस्थान निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम, 2011 ● राजस्थान के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश। <u>सामयिक विषय</u> ● राजस्थान की सम-सामयिक घटनाएँ। ● राज्य की अभिनव विकास योजनाएँ एवं क्रियान्विति ● अन्य सम-सामयिक विषय।	
3.	<u>संबंधित विद्यालय विषय का ज्ञान</u> हिन्दी :- ● हिन्दी वर्णमाला ज्ञान ● शब्द विचार (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय) ● विकारी शब्द – लिंग, वचन, काल, कारक, वाच्य एवं विकारी शब्दों का रूपांतरण ● शब्द प्रकार – (i) उत्पत्ति के आधार पर (ii) रचना के आधार पर (iii) अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, विलोम, पर्यायवाची, व्युत्पत्ति के लिए एक शब्द, युग्म-शब्द इत्यादि) ● संधि, समास, उपसर्ग एवं प्रत्यय के प्रकार एवं उदाहरण ● शब्द शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि के प्रकार एवं उदाहरण ● वाक्य विचार – व्युत्पत्ति के अंग, प्रकार, रूपांतरण इत्यादि ● विराम चिह्न – प्रकार एवं प्रयोग ● मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ ● शब्द शक्ति ● अपठित गद्यांश के भाव एवं व्याकरण से संबंधित प्रश्न ● अपठित पद्यांश के भाव एवं व्याकरण से संबंधित प्रश्न ● पारिभाषिक शब्दावली	120 अंक

	English:- • Parts of speech • Tenses • Voice • Narration • Transformation • Conditional Sentences • Idioms and proverbs • Phrasal verbs • One word substitution • Clauses Analysis • Subject verb Agreement • Synonyms and Antonyms • An acquaintance with literary terms • Modal Auxiliaries • Prepositions • Unseen passage-Prose • Unseen passage-Poetry • Basic knowledge of English sounds and their Phonetic symbols	
	संस्कृत :- • संज्ञाप्रकरणतः सामान्यप्रश्नाः- इत् संज्ञा, संहिता, सवर्णम्, उदात्तः, अनुदात्तः, स्वरितः, उच्चारणस्थानानि । • प्रत्ययप्रकरणम् - कृन्दत प्रकरणम्, तद्धित प्रकरणम्, स्त्री प्रकरणम् । • संधिः । • समासाः । • निम्नलिखितानां शब्दरूपाणां ज्ञानम्- राम, हरि, गुरु, मति, रमा, वारि, अस्मद्, युष्मद् । • निम्नलिखितानां धातुरूपाणां ज्ञानम्- भू, एध् (लट् लकार, लृट् लकार, लङ् लकार, लोट् लकार, विधिलिङ् लकार) । • अव्ययानां प्रयोगः । • उपसर्गाः । • कारकप्रकरणम् । • हिन्दीवाक्यानां संस्कृतानुवादः । • कारक-प्रत्यय-समास-अधारितवाक्यानाम् अशुद्धिसंशोधनम् । • संस्कृतसाहित्येतिहास-सम्बन्धि-सामान्यपरिचयात्मक-प्रश्नाः- लौकिकसाहित्यम्- रामायणम्, महाभारतम् । महाकाव्यकवयः - कालिदासः, भारविः, माघः, श्रीहर्षः । दृश्यकाव्यकवयः - भासः, भवभूतिः, शूद्रकः ।	

	गणित और विज्ञान गणित:— - परिमेय एवं अपरिमेय संख्याएँ, वास्तविक संख्याएँ एवं दशमलव प्रसार, वास्तविक संख्याओं के लिए घातांक नियम - वर्ग और वर्गमूल, घन और घनमूल - बहुपद — बहुपद के शून्यक, शेषफल प्रमेय, बहुपदों का गुणनखण्ड, बीजीय सर्वसमिकाएँ, बहुपदों के शून्यकों का ज्यामितीय अर्थ, विभाजन एल्गोरिथ्म, द्विघात समीकरण - दो चरों वाले रैखिक समीकरण - प्रतिशतता, लाभ-हानि, सरल ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज, अनुपात-समानुपात, वृद्धि एवं ह्रास दर - रेखाएँ और कोण - समतलीय आकृतियाँ — त्रिभुजों की समरूपता, त्रिभुजों की सर्वांगसमता, चतुर्भुज, वृत्त, बहुभुज - समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल एवं परिमाप (त्रिभुज, आयत, वर्ग, समान्तर चतुर्भुज, समलम्ब चतुर्भुज, वृत्त) - ठोस आकृतियों का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन (घन, घनाभ, बेलन, शंकु, गोला), एक ठोस का एक आकार से दूसरे आकार में रूपान्तरण - सांख्यिकी — बारंबारता बंटन सारणी, मिलान चिह्न, दण्ड आलेख (बार ग्राफ), आयत चित्र, वृत्तीय ग्राफ (पाईचित्र), केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप — माध्य, माध्यक, बहुलक - प्रायिकता — प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक दृष्टिकोण	
	विज्ञान:— - परमाणु एवं अणु, मोल संकल्पना, रासायनिक सूत्र, परमाणु की संरचना - तत्व, यौगिक और मिश्रण, भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन - रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण, उपचयन एवं अपचयन - अम्ल, क्षार एवं लवण, pH स्केल - कार्बन तथा उसके यौगिक - कोशिका — संरचना एवं प्रकार्य - ऊतक — पादप ऊतक, जंतु ऊतक, सरल एवं जटिल ऊतक - जैव प्रक्रम — पोषण, श्वसन, परिवहन, उत्सर्जन - नियन्त्रण एवं समन्वय - जीवों में जनन, जनन में हार्मोन्स की भूमिका - सूक्ष्म जीवों से फैलने वाले रोग, संक्रामक रोग - जैव रासायनिक चक्रण - भोजन के प्रमुख अवयव एवं इनकी कमी से होने वाले रोग, संतुलित भोजन - बल एवं गति, गति के नियम - विद्युत धारा एवं परिपथ, ओम का नियम, प्रतिरोधों का संयोजन, विद्युत धारा के तापीय, रासायनिक एवं चुम्बकीय प्रभाव - गुरुत्वाकर्षण, कैपलर के नियम, उत्प्लावकता, आर्किमीडीज का सिद्धान्त - ताप एवं उष्मा, तापमापी, उष्मा संचरण - प्रकाश का परावर्तन, गोलीय दर्पण, प्रकाश का अपवर्तन, गोलीय लेंस, मानव नेत्र, दृष्टि दोष - ध्वनि - सौर मण्डल — चन्द्रमा, तारे, सौर परिवार — सूर्य, ग्रह, धूमकेतु, तारामण्डल।	

सामाजिक अध्ययन:-

- प्राचीन भारत की सभ्यता एवं संस्कृति:- सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक संस्कृति, बौद्ध एवं जैन धर्म एवं महाजनपद काल।
- मौर्य साम्राज्य:- मौर्य साम्राज्य की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएँ। सम्राट अशोक का धम्म एवं अभिलेख।
- दिल्ली सल्तनत एवं मुगल साम्राज्य:- दिल्ली सल्तनत का विस्तार, मुगल साम्राज्य एवं राजपूत राज्यों के साथ संबंध, सल्तनत एवं मुगल कालीन प्रशासनिक व्यवस्थाएँ। पृथ्वीराज चौहान।
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
- पृथ्वी:- गतियाँ, अक्षांश एवं देशांतर।
- वायुमण्डल:- संघटन, संरचना, पवन, वायुमण्डलीय संचरण।
- महासागर:- ज्वार-भाटा, धाराएँ, जल-थल वितरण।
- संसार की प्रमुख वनस्पति, वन्यजीव।
- राजस्थान के कृषि आधारित उद्योग।
- विश्व:- कृषि के प्रकार, प्रमुख औद्योगिक प्रदेश।
- भारतीय संविधान:- संविधान निर्माण की प्रक्रिया एवं विशेषताएँ, उद्देशिका, मूल अधिकार, नीति निर्देशक तत्व व मूल कर्तव्य।
- सरकार का गठन व कार्य:- विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका।
- स्थानीय शासन:- ग्रामीण एवं नगरीय, 73वां एवं 74वां संविधान संशोधन विधेयक।
- भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं उसमें महिला प्रतिनिधित्व।
- भारत की संघीय व्यवस्था, केन्द्र-राज्य संबंध।
- भारतीय अर्थव्यवस्था:-
 - (i) अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक
 - (ii) औपनिवेशिक काल में भारतीय अर्थव्यवस्था
 - (iii) उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण
 - (iv) विश्व व्यापार संगठन
 - (v) निर्धनता व खाद्य सुरक्षा
- मुद्रा एवं बैंकिंग:-
 - (i) मुद्रा के आधुनिक रूप
 - (ii) साख की विभिन्न स्थितियाँ
 - (iii) स्वयं सहायता समूह
- उपभोक्ता के अधिकार:- उपभोक्ता एवं उसके अधिकार
- भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास:-
 - (i) राष्ट्रीय विकास
 - (ii) राष्ट्रीय आय
 - (iii) मानव विकास
- राजस्थान में कृषि एवं विपणन:-
 - (i) कृषि उपज मंडी
 - (ii) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

4.	शैक्षणिक रीति विज्ञान:- (अ) हिन्दी:- • हिन्दी भाषा की शिक्षण विधियाँ • भाषायी कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना) एवं भाषायी कौशलों का विकास • हिन्दी भाषा शिक्षण के उपागम • हिन्दी शिक्षण में चुनौतियाँ • हिन्दी शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री एवं उनका उपयोग • हिन्दी शिक्षण की मूल्यांकन विधियाँ • निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण	20 अंक
	(ब) English:- • Principles of teaching English • Communicative English Language teaching • Methods of Teaching English • Difficulties in learning English (Role of home language multilingualism) • Methods of evaluation, Remedial Teaching	
	(स) संस्कृत :- • संस्कृत भाषा – शिक्षण विधयः • संस्कृतभाषा – शिक्षण सिद्धान्ताः • संस्कृत शिक्षणाभिरुचिप्रश्नाः • संस्कृत भाषाकौशलस्य विकासः (श्रवणम् सम्भाषणम्, पठनम्, लेखनम्) • संस्कृतशिक्षणे – अधिगमसाधनानि, संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणस्यसाधनानि, संस्कृतपाठ्यपुस्तकानि । • संस्कृतभाषाशिक्षणस्य मूल्यांकन-सम्बन्धितः प्रश्नाः मौखिक – लिखितप्रश्नानां प्रकाराः सततमूल्यांकनम् उपचारात्मक-शिक्षणम् ।	
	(द) सिन्धी:- • दर्सी किताबनि में भाषा जो ज्ञान, बोलीअ जी जाण, शागिर्दनि खे कहिड़नि तरीकनि सां डियणु घुरिजे । • शागिर्दनि खे सिन्धी भाषा सेखारण ऐं पढ़ाइण जा कारगर तरीका । • सिन्धी भाषा गाल्हाइण, बुधण, पढ़ण लिखण सिखण ऐं सेखारण जा तरीका । • सिन्धी भाषा पढ़ाइण में कमु अचण जोगियूं शिक्षण विधियुनि जी जानकारी । • सिन्धी भाषा ऐं बोलीअ खे सेखारण ऐं पढ़ाइण लाइ तकनीकी योगदान ।	

	(ल) गणित:— ● गणित विषय की शिक्षण विधियाँ ● गणित शिक्षण के उपागम ● गणित शिक्षण में चुनौतियाँ ● गणित शिक्षण सहायक सामग्री एवं उपयोग ● गणित शिक्षण की मूल्यांकन विधियाँ ● निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण (व) सामान्य विज्ञान:— ● विज्ञान की शिक्षण विधियाँ ● विज्ञान शिक्षण के उपागम ● विज्ञान शिक्षण सहायक सामग्री एवं उपयोग ● विज्ञान शिक्षण की मूल्यांकन विधियाँ ● निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण	
	(श) सामाजिक अध्ययन:— ● सामाजिक अध्ययन की शिक्षण विधियाँ । ● सामाजिक अध्ययन शिक्षण के उपागम ● सामाजिक अध्ययन शिक्षण में चुनौतियाँ । ● सामाजिक अध्ययन शिक्षण में अधिगम सहायक सामग्री एवं उपयोग ● सामाजिक अध्ययन शिक्षण की मूल्यांकन विधियाँ ● निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण	
5.	शैक्षणिक मनोविज्ञान :— ● शैक्षिक मनोविज्ञान : अर्थ, क्षेत्र एवं कार्य ● बाल विकास : अर्थ, बाल विकास के सिद्धान्त एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक ● बाल विकास में वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव ● व्यक्तित्व : संकल्पना, प्रकार, व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक और व्यक्तित्व मापन ● बुद्धि : संकल्पना, विभिन्न बुद्धि सिद्धान्त एवं मापन ● अधिगम का अर्थ एवं अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक ● अधिगम के विभिन्न सिद्धान्त ● अधिगम की विभिन्न प्रक्रियाएँ ● विविध अधिगमकर्ता के प्रकार : पिछड़े, विमंदित, प्रतिभाशाली, सर्जनशील, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी इत्यादि । ● अधिगम में आने वाली कठिनाइयाँ ● अभिप्रेरणा एवं अधिगम में इसका प्रभाव ● समायोजन की संकल्पना, तरीकें एवं समायोजन में अध्यापक की भूमिका	20 अंक

6.	सूचना तकनीकी:- ● सूचना प्रौद्योगिकी के आधार ● सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण (टूल्स) ● सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग ● सूचना प्रौद्योगिकी के सामाजिक प्रभाव	10 अंक
----	---	--------